

MHINICUI EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3--उप-खण्ड (ii) PART II--Section 3--Sub-section (ii)

अधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 115} नई विल्ली, मंगलवार, मार्च 25, 1980/चैत्र 5, 1902 No. 115] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 25, 1980/CHAITRA 5, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या की जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोड')

अधिस्चना

नई चिल्ली, 22 मार्च, 1980

का. आ. 204(अ).—भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 56स की उपभारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, अपना यह समाधान हो जाने पर कि किसी रेलवे स्टेशन तक केवल माल को ले जाने के लिए आशियत रेल गाड़ियों द्वारा ब्क किये गये माल का, ऐसे स्टेशन से अविलम्ब पाया जाना आवश्यक हैं और उस उपधारा के परन्तक में

472 THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY [PART II-Sec. 3(ii)]

बिनिध्दिष्ट बातों को ध्यान में रखते हुए निम्निलिखित रेल स्टेशनों को 1 अप्रैल, 1980 से चार महीने की अविध के लिए 'अप्रिस्चित स्टेशन' घोषित करती है, जिथितः:--

[सं. टी सी आई/1680/75/2]

के. बालाचन्द्रन, सचिय, रेलवे बोर्ड अौर पदेन संयुक्त सिंधव, भारत सरकार

MINISTRY OF RAILWAYS

(Rallway Board)

New Delhi, the 22nd March, 1980

NOTIFICATION

S.O. 204(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 56B of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government being satisfied that it is necessary that the goods booked by trains intended solely for the carriage of goods to any railway station should be removed without delay from such railway station and having regard to the factors specified in that sub-section, hereby declares the following railway station as a "notified station" for a further period of four months with effect from 1st April, 1980, namely:—

"Chitpur"

INo. TCI/1680/75/21

K. BALACHANDRAN, Secy., Railway Board & ex.-officio Joint Secy. to the Govt. of India.